केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 74 शनिवार 4 अक्टूबर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

उकसाया तो नक्शे से मिट जाएगा पाकिस्तान– सेना प्रमुख

जयपुर (आभा)। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को पाकिस्तान को सीधे और कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने पड़ोसी देश को स्पष्ट किया है कि उसे राज्य–प्रायोजित आतंकवाद को तुरंत रोकना होगा, अन्यथा उसका ऐतिहासिक और भौगोलिक अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा।

राजस्थान में एक कार्यक्रम के दौरान सेना प्रमुख ने कहा, 'अगर पाकिस्तान विश्व इतिहास और भूगोल में अपना स्थान बनाए रखना चाहता है, तो उसे राज्य प्रायोजित आतंकवाद को रोकना होगा।'

जनरल द्विवेदी ने भविष्य में किसी भी उकसावे पर भारत की कार्रवाई की रणनीति को और भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, श्हम इस बार ऑपरेशन सिंदूर 1.0 की तरह कोई संयम नहीं दिखाएंगे और अगर दोबारा उकसाया गया तो एक कदम और आगे बढ़ेंगे।'

उन्होंने आगे चेतावनी दी, श्यह संभव है कि हम उस पर इतना कड़ा प्रहार करेंगे कि पाकिस्तान इस बात पर पुनर्विचार करने पर मजबूर हो जाएगा कि उसे इतिहास और भूगोल में अपना स्थान चाहिए या नहीं।'

जनरल द्विवेदी का यह बयान मई में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर 1.0' के संदर्भ में आया है। यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले (जिसमें 26 नागरिकों की मौत हुई थी) के जवाब में किया गया था।

एक नजर

महारानी दुर्गावती जयन्ती पर शोभा यात्रा 5 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महारानी दुर्गावती के जयन्ती अवसर पर आगामी 5 अक्टूबर रविवार को जिला अस्पताल चौराहे के निकट से जिलाधिकारी कार्यालय तक भव्य शोभा यात्रा निकाली जायेगी।

यह जानकारी देते हुये अखिल भारत वर्षीय गोंड महासभा के पूर्व जिलाध्यक्ष रामलला गोंड ने बताया कि भव्य शोभा यात्रा जिला अस्पताल चौराहे से दिन में 10 बजे से निकलेगी। इस यात्रा में गोंड समाज के साथ ही अनेक वर्गों के लोग और सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी शामिल होंगे।

प्रतिमा विसर्जन से लौट रहे युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन से लौटते समय एक युवक की ट्राली से गिरकर मौत हो गई। यह घटना छावनी थाना क्षेत्र के अतरौरा झाम गांव के पास हुई। युवक को गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमजोत ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात करीब आठ बजे अतरौरा झाम गांव के लोग प्रतिमा विसर्जन के बाद ट्राली से लौट रहे थे। राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर शंकरपुर गांव स्थित एक ढाबे से आगे 27 वर्षीय अजीत सिंह पुत्र पूरन सिंह अचानक ट्राली से गिर गए। ट्राली लगभग सौ मीटर आगे संस्कार सिटी पैलेस के सामने जाकर रुकी। पीछे से आ रहे ग्रामीणों ने तुरंत घायल अजीत को मोटरसाइकिल पर बिठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमजोत पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद अजीत को मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पीआरबी टीम मौके पर पहुंची और चौकी प्रभारी विक्रमजोत शशि शेखर सिंह को घटनाक्रम की जानकारी दी। चौकी प्रभारी अपनी टीम के साथ अस्पताल पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आगे की आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

जुमे की नमाज को लेकर चौकस रही पुलिस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में शुक्रवार की नमाज को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। 'आई लव मोहम्मद' मामले के कारण शहर में तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए पुलिस–प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी। जिला मुख्यालय से लेकर ग्रामीण इलाकों तक पुलिस बल की चाक–चौबंद व्यवस्था की गई। गांधीनगर स्थित खैर मस्जिद सहित अन्य प्रमुख मस्जिदों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। कोतवाली इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र चौधरी स्वयं दल–बल के साथ मौके पर मौजूद रहे और हालात पर लगातार नजर बनाए हुए थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किसी भी प्रकार की अफवाह या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मस्जिदों के बाहर आने–जाने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई थी, साथ ही सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी की जा रही थी।

प्रशासन की पहली प्राथमिकता जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखना है। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सोशल मीडिया पर भी लगातार नजर रख रही थी ताकि किसी भी भड़काऊ पोस्ट को फैलने से पहले रोका जा सके।

शुक्रवार की नमाज को देखते हुए सुबह से ही जिलेभर में पुलिस–प्रशासन सक्रिय रहा। बाजारों, चौक–चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। अधिकारी लगातार विभिन्न स्थानों का निरीक्षण करते रहे।

पुलिस लाइन में आधुनिक व्यायामशाला का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुलिस लाइन में पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य संवर्धन और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक आधुनिक व्यायामशाला का उद्घाटन किया गया ।

शुक्रवार को वामा सारथी बस्ती एवं पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित समारोह में पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) बस्ती परिक्षेत्र संजीव त्यागी ने इस व्यायामशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिनंदन और सीओ सदर सत्येंद्र भूषण तिवारी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीआईजी त्यागी ने कहा कि यह व्यायामशाला पुलिसकर्मियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने जोर दिया कि एक स्वस्थ और सक्षम पुलिस बल ही समाज में बेहतर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कर सकता है। डीआईजी ने महिला पुलिसकर्मियों और पुलिस परिवार की महिलाओं को भी इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि मिशन शक्ति के पांचवें चरण के तहत यह पहल महिला सशक्तिकरण और आत्मविश्वास को बढ़ावा देगी।

युगों तक याद किये जायेंगे बापू– शास्त्री–डा. वी.के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री के जयन्ती अवसर पर अनेक आयोजन किये गये। शिक्षण संस्थाओं में ध्वजारोहण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रभातफेरी, रैली निकली. पटेल एस. एम. एच. हॉस्पिटल एंड पैरामेडिकल कॉलेज गोटवा में गांधी जयन्ती पर प्रबंधक एवं जिला चिकित्सालय बस्ती में आयुष चिकित्साधिकारी डॉ. वी.के. वर्मा ने कहा कि बापू–शास्त्री का भारत निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है। दोनों महापुरूषो ने देश को आजादी दिलाने से लेकर नव निर्माण तक योगदान दिया। निदेशक डा. आलोक रंजन ने कहा कि महात्मा गांधी और शास्त्री ने देश को सही दिशा दिया।

इसी क्रम में गौतम बुद्ध मुराली देवी बालिका इण्टर कालेज गोटवा, गौतम बुद्ध विद्या मंदिर गोटवा कटया, श्री श्यामलाल वर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय लौहरौली तिलकपुर , गौतम बुद्ध कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय गोटवा में ध्वजारोहण के साथ गांधी जयन्ती पर आयोजन किये गये। कार्यक्रमों में मुख्य रूप से डा. आर. एन. चौधरी, डा. चन्दा सिंह, डा. मनोज मिश्र, डा. श्रीराम कुशवाहा, आराधना पाण्डेय, जे.एन. वर्मा, शिव प्रसाद, मनोज गुप्ता, लालजी यादव, रीतेश चौधरी, धुव चौधरी, राजेश सिंह, दीन बंधु उपाध्याय, आदि शामिल रहे।

राम मंदिर स्वरूप में उमडे श्रद्धालु

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सुर्ती हट्टा में सुर्ती हट्टा गुफा कमेटी द्वारा भव्य दुर्गा पूजा समारोह का आयोजन किया गया है। यह पंडाल अयोध्या के भव्य राम मंदिर के स्वरूप में बनाया गया है। असम राज्य के प्रभारी पूर्व सांसद समेत भारतीय जनता पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने माँ दुर्गा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया ।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्

यक्ष विवेकानंद मिश्र और साउघाट ब्लॉक के प्रमुख अभिषेक कुमार के साथ ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ग्राम प्रधान के भ्रष्टाचार के विरोध में डीएम कार्यालय के सामने आमरण अनशन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बहादुरपुर विकास खण्ड क्षेत्र के पोखरनी ग्राम पंचायत निवासी सुरेश कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार से जिलाधिकारी कार्यालय के निकट ग्राम प्रधान द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार मामलों की जांच कराने को लेकर आमरण अनशन शुरू कर दिया है।

मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी को दिये पत्र में सुरेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा है कि ग्राम प्रधान प्रर्मिला देवी के पति प्रेमनाथ विकास कार्यो के कियान्वयन में लगातार मनमानी कर रहे हैं और शिकायत करने पर धमकियां देते हैं। इस सम्बन्ध में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के बंशज सुरेश कुमार श्रीवास्तव ने सम्बंधित अधिकारियों को शपथ पत्र के साथ अनेक आवेदन दिये, जांच की मांग किया किन्तु प्रभावशाली ग्राम प्रधान पति के चलते जिला प्रशासन चुप्पी साधे हुये हैं। उन्होने मनरेगा योजना

–न्याय न मिलने तक जारी रहेगा अनशन– सुरेश कुमार श्रीवास्तव

में जे.सी.बी. के उपयोग, फर्जी हाजिरी, संविदाकर्मी के नाम से मस्टररोल, तालाब की मिट्टी बेच लेने, अधूरे तालाब की खुदाई के नाम पर व्यापक भ्रष्टाचार की जांच कराने की मांग अधिकारियों से किया है। सुरेश कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि जब तक न्याय नहीं मिल जाता उनका शांतिपूर्ण अनशन जारी रहेगा।

उत्पीड़न के विरोध में राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को भारतीय कुर्मी महासभा ने प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर उत्पीड़न मामलों को लेकर प्रदेश संगठन सचिव आरके सिंह पटेल और जिला अध्यक्ष विजय कुमार वर्मा के नेतृत्व में जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। 2 सूत्रीय ज्ञापन देकर समस्याओं के निस्तारण की मांग किया गया है।

ज्ञापन में प्रयागराज में अमर सिंह एवं फतेहपुर में ललित पटेल की हुई निर्मम हत्या एवं सीतापुर जनपद के नंदवा प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत प्रधानाध्यापक बृजेन्द्र वर्मा को साजिश में फसाने के मामलों की न्यायिक जांच कराते हुए दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाने की मांग किया गया है।

ज्ञापन सौंपने वालों में भारतीय कुर्मी महासभा बस्ती के बद्री प्रसाद चौधरी मंडल उपाध्यक्ष, इं.के.सी. चौधरी जिला महासचिव, प्रमोद चौधरी, अशोक चौधरी, जिला उपाध्यक्ष, अशोक वर्मा जिला कोषाध्यक्ष, विद्यासागर चौधरी प्रचार प्रसार सचिव, एडवोकेट कल्याण चौधरी विधिक सलाहकार, इंद्रजीत चौधरी मीडिया प्रभारी, घनश्याम चौधरी लेखाकार, एम.आर. वर्मा आदि पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

दो साल से कम उम्र के बच्चों को न पिलाएं कफ सिरप

नई दिल्ली (आभा)। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से खांसी की प्रतिबंधित दवा (कफ सिरप) पीने से हुई बच्चों की मौत मामले के बाद केंद्र सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। सरकार ने कहा है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को कफ और सर्दी की सिरप नहीं दी जानी चाहिए। डीजीएचएस (स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय) ने बाल रोगियों में कफ सिरप के इस्तेमाल करने के तरीके पर एडइवाइजरी जारी की है।

सरकार ने कहा, 'दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। आमतौर पर पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए इनकी अनुशंसा नहीं की जाती है। किसी भी दवा के उपयोग के लिए सावधानीपूर्वक नैदानिक मूल्यांकन, कड़ी निगरानी और उचित खुराक,

न्यूनतम प्रभावी अवधि और कई दवाओं के संयोजन से बचने का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। इसके अलावा, डॉक्टरों द्वारा निर्धारित दवाओं के पालन के बारे में जनता को भी जागरूक किया जा सकता है।

मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से प्रतिबंधित कफ सिरप पीने की वजह से कुल 11 बच्चों की मौत हो गई। इसमें से मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। हालांकि, शुरुआती जांच में सिरप के सैंपल में डीईजी या ईजी का अंश नहीं मिला है, जो किडनी पर असर डालता है। एसोसिएट प्रोफेसर और बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. पवन नंदुरकर ने कहा, ष्हाल ही में, रिपोर्टों से पता चला था कि हमारे सात बच्चों की मौत हो गई थी, लेकिन अब ऐसा प्रतीत होता है कि यह संख्या बढ़कर 9 हो गई है... मौतें और किडनी की चोट का मामला कोल्ड्रिफ नामक कफ सिरप से जुड़ा है, जिसे हर कोई दोषी ठहरा रहा है। हालांकि, जांच अभी भी जारी है, और यह संभव है कि किडनी की चोट किसी और कारण से हुई हो।ष फिलहाल कोल्ड्रिफ और नेस्टो डीएस कफ सिरप की बिक्री पर तब तक रोक लगा दी है जब तक उनकी जांच रिपोर्ट नहीं आ जाती है।

शिक्षकों के टेट समस्या का शीघ्र निकलेगा प्रभावी समाधान– जगदम्बिका पाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और सिद्धार्थनगर के सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा है कि टेट की अनिवार्यता के सम्बन्ध में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद उत्पन्न स्थिति को लेकर सरकार गंभीर है और इसका प्रभावी समाधान शीघ्र सामने आयेगा। वे एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने बस्ती आये थे। इस दौरान उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने आनन्दनगर कटरा स्थित कार्यक्रम के दौरान सांसद जगदम्बिका पाल के समक्ष शिक्षकों की समस्याओं को रखा, कहा कि केन्द्र सरकार नियमों में संशोधन करा दे तो समस्या का स्वतः समाधान हो जायेगा। सांसद जगदम्बिका पाल ने कहा कि वे स्वयं इस दिशा में गंभीर है और सम्बंधित मंत्रियों तक शिक्षकों का संदेश पहुंचायेंगे। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से वे शिक्षक समस्याआं के समाधान हेतु निरन्तर सम्पर्क में हैं। संघ के

जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने विस्तार से जगदम्बिका पाल को टेट की अनिवार्यता के सम्बन्ध में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद उत्पन्न स्थिति को लेकर समस्याओं से अवगत कराया।

सांसद जगदम्बिका पाल से शिक्षक समस्याओं के समाधान को लेकर हुई वार्ता के दौरान मुख्य रूप से

इस दौरान मुख्य रूप से अमित मिश्र, स्नेहा शुक्ला, सुशीला शुक्ला, सतीशशंकर शुक्ल, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, शैल कुमार शुक्ल, अभय सिंह यादव, मिथलेश श्रीवास्तव, अभिषेक उपाध्याय, चन्द्रभान चौरसिया, ओम प्रकाश पाण्डेय, विजय प्रताप वर्मा, अवध किशोरी शुक्ल, अमित शुक्ल, देवेन्द्र वर्मा, दिनेश वर्मा, उपेन्द्र पाण्डेय, राजू पाण्डेय, अरूण कुमार शुक्ल, प्रभाकर शुक्ल, राजकुमार बरनवाल, मो. सलाम, कंचनमाला त्रिपाठी, ओम प्रकाश उपाध्याय, विवेकानन्द चौरसिया, बुद्धिराम के साथ ही अनेक शिक्षक और उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी और भाजपा नेता कृष्णचन्द्र सिंह, दिनेश पाल आदि शामिल रहे।

समाजवादियों ने किया बापू–शास्त्री को नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी कार्यालय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि बापू– शास्त्री विचार के रूप में पूरी दुनियां में प्रतिष्ठित है। दोनों महापुरूषों को युगों तक याद किया जायेगा। उन्होने सपा नेताओं, पदाधिकारियों का आवाहन किया कि वे जनता के बीच बने रहे, उन तक समाजवादी विचार धारा और पार्टी के नीति, कार्यक्रम लेकर जाय और यथा संभव जरूरतमंदों की मदद के साथही उन्हें केन्द्र और राज्य सरकार के योजनाओं से लाभान्वित कराने की दिशा में सहयोग करें।

विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, वरिष्ठ नेता दयाशंकर मिश्र, जावेद पिण्डारी, मो. स्वालेह, समीर चौधरी, सुरेन्द्र सिंह

छोटे, आर.डी. निषाद, रामशंकर निराला, हरेश्याम विश्वकर्मा, मनोज कुमार, महेश चौधरी, रणविजय, पंकज निषाद, संजय गौतम मो. सलीम आदि ने बापू– शास्त्री को नमन् करते हुये कहा कि समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से पार्टी के नीति, कार्यक्रमों से लोगों को जोड़े।

बापू– शास्त्री जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से अरविन्द सोनकर, रन बहादुर यादव, भोला पाण्डेय, प्रशात यादव, मो. युनूस, भोलू खान, मो. दाउद, तूफानी यादव, अजीत सिंह 'विपिन', रामचरित्र यादव, रईस, लालमन, पंकज निषाद, मनोज यादव, सोनू शर्मा, चंदन, सोमिल सिंह, मन्नू सिंह, श्याम यादव गौरीशंकर, के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ज्योति यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विजयदशमी के अवसर पर भव्य ज्योति यात्रा निकाली गई। यह यात्रा अपने 24वें वर्ष में '24 साल बेमिसाल' की थीम पर आयोजित हुई। इसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जो धर्म, संस्कृति और परंपरा के इस संगम के साक्षी बने। जगह–जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। विभिन्न झांकियों में धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदेशों को आकर्षक ढंग से दर्शाया गया। यात्रा में पंजाब का गटका कला प्रदर्शन, राजस्थान का घुघर नृत्य, मथुरा का लोक नृत्य और बनारस की गंगा आरती मुख्य आकर्षण रहे।

आयोजक कमल सेन ने बताया कि ज्योति यात्रा की शुरुआत वर्ष 2002 में हुई थी और तब से इसका स्वरूप लगातार भव्य होता गया है। इस वर्ष यात्रा में अंतरराष्ट्रीय कलाकारों ने भी प्रस्तुतियां दीं। राजस्थान के मोतीलाल अपनी ग्यारह फुट लंबी मूंछों के साथ विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जिन्हें सहयोगी कलाकारों ने थाम रखा था।

यात्रा के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया, जिसमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सभी शामिल हुए। आयोजन समिति ने बताया कि यह अब तक का सबसे भव्य आयोजन था और ज्योति यात्रा अब केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर बन चुकी है।

माता- पिता ने किया कुमार स्वीट्स के तीसरे प्रतिष्ठान का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विजयादशमी के दिन कुमार स्वीट्स के तीसरे प्रतिष्ठान का मालवीय रोड पर उद्घाटन मंत्रोच्चार एवं विधि विधान से सम्पन्न हुआ। कुमार स्वीट्स एण्ड रेस्टोरेण्ट के राजन कुमार की माता सुन्दरी देवी और पिता सुरेश चन्द गुप्ता ने किया।

उद्घाटन अवसर पर पूर्व मंत्री राजकिशोर सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरविन्द पाल, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि राना दिनेश प्रताप सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश शुक्ल, राम आधार पाल सहित शहर के अनेक विशिष्टजन और विभिन्न राजनीतिक दलों के जन प्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के लोग शामिल रहे।

प्रोपराइटर गौरव कुमार ने बताया वर्ष 1984 उनके दादा–दादी ने कुमार कुल्फी के नाम से दूकान स्थापित किया और काफी परिश्रम से ग्राहकों का भरोसा जीता, इसी का परिणाम है कि प्रतिष्ठान निरन्तर प्रगति की ओर है। बताया कि कुमार स्वीट्स में स्वाद और गुणवत्ता का पूरा ख्याल रखा जाता है ,एक ही सिद्धान्त ही कि कोई लापरवाही न हो जिससे ग्राहकों का विश्वास बना रहे। भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश शुक्ला ने कहा बस्ती में जब कोई अच्छी दुकान नही थी तो सुरेश चन्द्र गुप्ता की सबसे पुरानी दुकान कुमार स्वीट्स गांधी नगर में थी। आज इनके नए प्रतिष्ठान पर ब्रेकफास्ट लंच डिनर की अच्छी व्यवस्था है।

राजन गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुये कहा बस्ती की जनता ने जो प्यार एवं आशीर्वाद दिया है उसके लिए हमेशा ऋणी रहेंगे। मिठाई, नाश्ता भोजन जो भी मिलेगा उसमे शत प्रतिशत शुद्धता मिलेगी।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 अक्टूबर 2025 शनिवार

सम्पादकीय

दहेज हत्याओं का दंश

दहेज प्रथा पर कानूनन रोक है, लेकिन सच्चाई है कि आज भी दहेज के लिए महिलाओं का उत्पीड़न जारी है। दहेज निषेध अधिनियम के तहत दर्ज मामले हर वर्ष बढ़ रहे हैं। तमाम जागरूकता के बावजूद समाज की तस्वीर नहीं बदली है। हर दिन महिलाओं की जान जा रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2023 की रपट के मुताबिक दहेज संबंधी अपराध के मामलों में चौदह फीसद की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश अकेला राज्य है, जहां सबसे ज्यादा 7,151 मामले दर्ज किए गए। जबकि बिहार दूसरे स्थान पर है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि महिलाओं की जिंदगी किस तरह की सामाजिक स्थिति के बीच गुजर रही है। उपभोक्तावाद और आय में विषमता ने स्थिति और खराब की है। राष्ट्र की प्रगति और शिक्षा के प्रसार के बाद उम्मीद बंधी थी कि हमें इन बुराइयों से मुक्ति मिलेगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सामाजिक सोच में देश वहीं खड़ा है। दहेज प्रथा की जड़ें इतनी गहरी हैं कि इससे अन्य दूसरी बुराइयां भी पैदा हो गईं।

लड़के—लड़कियों में भेदभाव और भ्रूण हत्या जैसी समस्या की जड़ में दहेज भी एक बड़ी वजह है। ऐसे में एनसीआरबी की नई रपट को गंभीरता से लेना होगा। इस संबंध में बने कानून के बेजा इस्तेमाल की बात अक्सर उठाई जाती है। मगर गिनती के ऐसे मामलों के बरक्स इस सच्चाई से कौन इनकार करेगा कि दहेज के लिए महिलाओं की रोज हत्या हो रही है। एनसीआरबी के ही आंकड़े बताते हैं कि 2023 में देश भर में 6,100 से अधिक महिलाओं की मौत हो गई। बेटियों को पढ़ाने और उनके सशक्तीकरण के बाद भी अगर दहेज के मामले बढ़ रहे हैं, तो जाहिर है यह हमारे समाज और व्यवस्था की बड़ी विफलता है। बहुत हद तक पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है।

आज भी महिलाओं को दहेज संबंधी मामलों में जल्दी न्याय नहीं मिलता। ज्यादातर मामलों में महिलाएं चुपचाप उत्पीड़न सहती हैं। आमतौर पर ऐसे मामले थानों में दर्ज नहीं होते। फिर भी दहेज अपराधों में जिस तरह की अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है, उससे स्पष्ट है कि इस कुप्रथा के खिलाफ लड़ाई अकेले कानून से नहीं लड़ी जा सकती और इस मसले पर समूची सामाजिक सोच को बदलने की जरूरत है।

पर्व त्यौहार का संदेश

भारत में वर्षा ऋतु की राहत—आफत के बाद पर्व—त्योहार और प्रेरक आयोजनों की जो शृंखला शुरू होती है, वह पूरे समाज को ऊर्जावान बना जाती है। जिन जुमलों के साथ आज राजनेता चमकने की कवायद करते हैं, उनके निहितार्थ पहले से ही हमारे सांस्कृतिक मूल्यों में विद्यमान हैं। कन्या—पूजन की परंपरा में स्वतः ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से आगे जाकर, उसे गरिमामय स्थान देने की प्रेरणा नवरात्र में गहरे संदेश के साथ निहित है। रामलीलाओं में उदात्त पारिवारिक मूल्यों की स्थापना का संदेश है। लंकादहन इस बात का निष्कर्ष है कि भोग—विलासिता के साधन क्षणभंगुर हैं। रावण का ऊंचे कद का पुतला स्वाह होने से पहले संदेश दे जाता है कि बुराई का अंत निश्चित है। यह बात अलग है कि हमने इन पर्वों का मर्म समझने के बजाय इन्हें महज प्रतीकों तक सीमित कर दिया है। यही वजह है कि देश में हर साल लाखों रावण दहन के बावजूद समाज में रावण संस्कृति के अवशेष फलते—फूलते जाते हैं। अगले साल फिर सबसे ऊंचा रावण बनाने की होड़ रहती है। वैसे रावण के व्यक्तित्व के नकारात्मक व सकारात्मक, दोनों ही पक्ष भारी हैं। हाल के वर्षों में कई संगठन और जातीय समूह देश में खड़े हुए हैं जो उसे प्रकांड विद्वान और जीवटता का धनी बताते हैं। बहरहाल, भारतीय समाज में रावण को व्यक्ति के बजाय नकारात्मक प्रवृत्ति के प्रतीक के रूप में चित्रित किया गया है। कहा जाता है कि रावण, दहन के वक्त अट्टहास करता नजर आता है। दहन के वक्त पटाखों की रोशनी में उसके दांत चमकते दिखते हैं, जैसे वह हंस रहा हो कि मैं मरा कहां हूं। मैं तो लाखों छोटे—छोटे रावणों के रूप में समाज में विद्यमान हूं। जैसे कह रहा हो कि त्रेता युग में भगवान शिव से मिला अमरता का वरदान व्यर्थ नहीं गया है। वह कलियुग में फलीभूत हो गया है। वह तमाम नकारात्मक प्रवृत्तियों के रूप में समाज में विद्यमान है।

आज हर सुबह मीडिया में तैरती तमाम नकारात्मकता व मानवता के खिलाफ हिंसा की खबरें सुर्खियां बनी होती हैं। आसुरी सोच न मरती है और न ही जलती है, बल्कि साल—दर—साल और ताकतवर होकर हमारे भीतर विराजमान हो जाती है। शायद इसी वजह से हर साल जलते वक्त रावण अट्टहास करता प्रतीत होता है। दरअसल, दशहरे पर पुतलों के दहन का प्रतीकात्मक महत्व है। इस अवसर पर लगने वाले मेले लोक संस्कृति के प्रतीक हैं। ये जीवन की एकरसता तोड़ने का उपक्रम हैं। हमारे छोटे—छोटे दुकानदारों, पुतले बनाने वाले कारीगरों तथा अन्य लाखों लोगों के अंशकालिक रोजगार का जरिया भी हैं। इन पुतलों को बनाने वाले लाखों कारीगरों की सालभर की कमाई इस आयोजन से होती है। रावण के साथ मेघनाद व कुंभकरण के पुतले भी जलाए जाते हैं। मेघनाद दंभ व अहंकार का प्रतीक है, तो पौराणिक मान्यताओं के अनुसार छह माह तक सोने वाला कुंभकरण आलस्य व प्रमाद का प्रतीक है। इन पुतलों का संदेश है कि ऐसे पुत्र व भाई भी विनाश के कारक बन सकते हैं। बहरहाल, इन पुतलों का दहन हमें आत्ममंथन को बाध्य करता है कि क्या हम आज तेजी से आसुरी प्रवृत्तियों से ग्रसित नहीं होते जा रहे हैं? अहंकार, ईगो के रूप में ताकत का प्रदर्शन, असहनशीलता, घृणा से प्रतिकार, बदले की हिंसा, आर्थिक व राजनीतिक ताकत से कमजोर को दबाने जैसी आसुरी प्रवृत्तियों वाले छोटे—छोटे रावण क्या हमारे चारों ओर विद्यमान नहीं हैं? शक के आधार पर किसी को मारना, कानून को अपने हाथ में लेना, खून के रिश्तों का कत्ल, जीवन भर साथ निभाने वाले रिश्तों में छल, असहनशीलता और बदलाखोरीकृइनमें रावणी प्रवृत्तियों का ही तो वास है। सचमुच, आज के दौर में रावण बनना आसान है और राम जैसा बनना असंभव लगता है। दरअसल, रावण न मारने से मरता है और न ही जलाने से जलता है। जब तक हम समाज में एकजुट नहीं होते, आसुरी प्रवृत्तियों के खिलाफ खड़े नहीं होते, वह छोटे—छोटे दानवों में बना रहेगा। समाज में दानवी प्रवृत्तियां तब तक अंधेरे का साम्राज्य स्थापित करने की कोशिशों में लगी रहेंगी, जब तक समाज उठ खड़ा होकर उनका प्रतिकार नहीं करता।

दलित—पिछड़े वर्ग की समस्यायें और राजनीति

—राजेश कुमार पासी—

हर समाज को ऐसे ही अपराधी और नेता मिलते हैं जिसके वो लायक होता है। ये बात प्रसिद्ध चिंतक रूसो ने कही थी और उनका ये कथन दलित एवं पिछड़े समाज पर पूरी तरह से लागू होता है । दलित और पिछड़े नेता अपने समाज की लड़ाई का दावा करते हैं लेकिन उनकी सारी लड़ाई अपने और अपने परिवार तक सीमित हो जाती है । यही हालत आरक्षण से नौकरी पाने वाले दलितों की है । वो एक तरफ आरक्षण की नौकरी को समाज का प्रतिनिधित्व कहते हैं तो दूसरी तरफ नौकरी मिलने के बाद समाज की तरफ देखते तक नहीं हैं । सवाल उठता है कि दलितों और पिछड़ों में इतना स्वार्थ क्यों है कि वो समाज के लिए संघर्ष करने के नाम पर सिर्फ अपना ही भला कर पाते हैं ।

वास्तव में जो लोग सदियों तक शोषित और पीड़ित रहे हों, उन्हें अचानक वो सब मिल जाए जिसकी कल्पना कुछ समय पहले नहीं की जा सकती थी तो व्यक्ति सबसे पहले अपनी और अपने परिवार की खुशी के बारे में ही सोचता है । जातिवाद के आधार पर बनी पार्टियों के नेता सबसे बड़े वंशवादी साबित हो रहे हैं क्योंकि उनके लिए देश, समाज और धर्म से पहले उनका परिवार आता है । यही कारण है कि बाबा साहब अम्बेडकर के बाद दलित समाज अच्छे नेताओं के लिए तरसता रहा है । कांशीराम ने दलित राजनीति को नई राह दिखाई लेकिन उनके जाने के बाद बसपा की हालत दिनोंदिन नीचे की ओर जा रही है । आज बसपा कहने को राष्ट्रीय पार्टी है लेकिन वो उत्तर प्रदेश तक सिमट गई है । धीरे—धीरे बसपा उत्तर प्रदेश में भी कमजोर होती जा रही है ।

लोकतंत्र में कोई राजनीतिक पार्टी जल्दी से खत्म नहीं होती लेकिन जब वो सत्ता की लड़ाई से बाहर हो जाए तो उसे खत्म ही माना जाना चाहिए । आज उत्तर प्रदेश में मुकाबला भाजपा और सपा के बीच रह गया है । जहां तक समाजवादी पार्टी की बात है, वो भी यादव—मुस्लिम वोट बैंक पर निर्भर है । उसकी ताकत इस बात पर निर्भर करती है कि वो इस वोट बैंक में और कितना जोड़ पाती है । पिछड़ों की पार्टी आज यादवों की पार्टी बन गई है जो मुस्लिम वोटों के सहारे सत्ता की लड़ाई में बची हुई है । जब तक ये मुस्लिम वोट बसपा के पास थे, वो भी सत्ता की लड़ाई का हिस्सा थी । अगर कांग्रेस सपा से किसी तरह मुस्लिम वोट बैंक छीन लेती है तो इस पार्टी की हालत भी बसपा जैसी हो जाएगी ।

दलित एवं पिछड़े समाज का संघर्ष सामाजिक संघर्ष है लेकिन इस वर्ग में इतनी जातियां है कि उनका इकट्ठे होकर कोई भी संघर्ष कर पाना संभव नहीं है । इनके नेता जातिवाद से लड़ने का कितना भी दावा करें लेकिन सच्चाई यह है कि वो खुद जातिवादी मानसिकता के शिकार होते हैं । समाज के लिए संघर्ष करने का दावा करने वाले ज्यादातर दल किसी जाति विशेष तक सीमित हो जाते हैं । वैसे भी जातिवाद से लड़ाई कोई राजनीतिक संघर्ष नहीं है लेकिन इसे राजनीतिक लड़ाई बना दिया गया है । ऐसा क्यों है कि एक सामाजिक लड़ाई को राजनीतिक लड़ाई में तब्दील कर दिया गया है । वास्तव में सामाजिक संघर्ष त्याग और बलिदान मांगता है जबकि राजनीतिक संघर्ष सत्ता दिलाता है । यही कारण है कि जो दलित सामाजिक संघर्ष का हिस्सा होते हैं, वो थोड़ी सी सफलता के बाद ही राजनीति में आ जाते हैं ।

इस पर विचार करने की जरूरत है कि क्यों आज दलितों और पिछड़ों की हर जाति अपनी राजनीतिक पार्टी बनाना चाहती है । वास्तव में हर जाति अपनी पहचान और अपने अधिकार चाहती है । इस वास्तविकता को राहुल गांधी ने भांप लिया है, इसलिए वो जाति जनगणना करवाना चाहते हैं । पहले मोदी सरकार इसके लिए तैयार नहीं थी लेकिन अब वो भी इसके लिए तैयार हो गई है । अगले साल होने वाली जनगणना में जाति को भी शामिल किया जाएगा । इसके बाद दलित और पिछड़ो की राजनीति करने वाले दलों के लिए ऐसी परेशानियां खड़ी होने वाली हैं जिसका उन्हें अभी तक अंदाजा ही नहीं है । जाति जनगणना के बाद कांग्रेस और भाजपा को कुछ परेशानियां आ सकती हैं लेकिन क्षेत्रीय दलों की राजनीति पर अस्तित्व का संकट आ सकता है । अभी तक जो जातियां किसी दल विशेष के साथ जुड़ी हुई थी, वो अपना उचित प्रतिनिधित्व पाने के लिए मोलभाव पर उतर सकती हैं। कई जाति आधारित सामाजिक संगठन समाजसेवा छोड़कर राजनीति में आ सकते हैं। कई ऐसे दल पैदा हो सकते हैं जिनका प्रभाव सिर्फ दो—तीन जिलों तक सीमित हो ।

देखा जाए तो दलित—पिछड़ों का सारा सामाजिक संघर्ष सोशल मीडिया और किताबों तक सीमित रह गया है । राजनीति तो सिर्फ इस संघर्ष का शोषण कर रही है । वास्तव में जातियों की सामाजिक और आर्थिक स्थितियों में बड़ा अंतर है । बेशक इन जातियों के बुद्धिजीवी और एक्टिविस्ट सवर्णों से संघर्ष की बात करते हो लेकिन इन जातियों का आपसी संघर्ष कहीं ज्यादा बड़ा है । बिहार में राष्ट्रीय जनता दल और यूपी में समाजवादी पार्टी के शासन ने दिखाया है कि पिछड़ों के राज में अन्य पिछड़ी जातियों और दलितों के लिए हालात ज्यादा खराब हो गए थे । इसका कारण यह है कि उन्हें अब सिर्फ सवर्णों के उत्पीड़न का सामना नहीं करना था बल्कि यादवों और मुस्लिमों से भी डर लगने लगा था । क्या कारण है कि भाजपा को यूपी में गैर—जाटव दलितों और अन्य पिछड़ी जातियों का बड़ा समर्थन हासिल हुआ है । जातिवाद से संघर्ष का नारा देने वालों ने जातिवाद को मजबूती देने का ही काम किया है । अब सामाजिक संघर्ष कहीं पीछे छूट गया है, सारी लड़ाई सत्ता पाने की रह गई है । सत्ता की लड़ाई भी कुछ नेताओं तक सीमित हो गई है क्योंकि नए नेतृत्व को उभरने से रोका जाता है । जाति आधारित राजनीतिक दल वंशवादी दलों में परिवर्तित हो गए हैं । अब जातिवाद का विरोध सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए किया जाता है. असलियत तो यह है कि जातिवाद से फायदा उठाया जा रहा है ।

जातिवाद की राजनीति का सबसे बड़ा नुकसान दलितों और पिछड़ों को यह हुआ है कि उन्हें वर्तमान सत्ताधारी दल भाजपा का विरोधी बनाया जा रहा है । जो दल लंबे समय से सत्ता में है और अभी दशकों तक सत्ता में या सत्ता के संघर्ष में रहेगा, उससे दूरी समाज के लिए कितनी घातक है, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता । दलित एवं पिछड़े समाज के बुद्धिजीवी और एक्टिविस्ट यह बात समझ नहीं पा रहे हैं कि उनके भारी विरोध के बावजूद उनके लोग भाजपा के साथ चले गए हैं । वास्तविकता यही है कि दलितों और पिछड़ों का आधे से ज्यादा वोट भाजपा के खाते में जाता है । मुस्लिम भाजपा के कट्टर विरोधी हैं लेकिन उनके बुद्धिजीवी और एक्टिविस्ट बड़ी चालाकी से काम कर रहे हैं, एक तरफ ये लोग अपने समाज में भाजपा के खिलाफ जबरदस्त नफरत पैदा कर रहे हैं तो दूसरी तरफ ये लोग मुस्लिम समाज को सरकार की योजनाओं का फायदा दिलाने के लिए पूरी मेहनत करते हैं। जहां तक दलित समाज की बात है, उसे मोदी सरकार की योजनाओं का इतना फायदा नहीं हो रहा है जितनी उसकी जनसंख्या का अनुपात है । कितनी अजीब बात है कि मुस्लिम अपनी जनसंख्या के अनुपात से दोगुना फायदा ले रहे हैं। दूसरी तरफ दलित एवं पिछड़े वर्ग के बुद्धिजीवी चाहते हैं कि दलितों और पिछड़ों को इन योजनाओं का फायदा न मिले क्योंकि इसके कारण यह लोग भाजपा के समर्थक बन रहे हैं ।

देश में न तो जातिवाद खत्म हुआ है और न ही उसके कारण होने वाला उत्पीड़न और शोषण रूका है । सवाल यह है कि समाज के योद्धा जातिवाद से सिर्फ सोशल मीडिया में ही लड़ते रहेंगे या जमीन पर भी कुछ काम करेंगे । मेरा मानना है कि जमीन पर कोई लड़ने वाला नहीं है क्योंकि सबको ताकत चाहिए । बेशक हम संघ को गरियाते रहे लेकिन वो एक ऐसा संगठन है जिसके लोग अपने सारे स्वार्थ छोड़कर देश और समाज के लिए काम करते हैं । जातिवाद का संघर्ष सिर्फ सवर्णों को गाली देना नहीं है बल्कि समाज से जातिवाद को खत्म करना है । समस्या यह है कि अब जातिवाद का फायदा हो रहा है तो फिर भला क्यों इसे खत्म करने के बारे में सोचा जाए । वास्तविकता यह है कि जिन लोगों को समाज के लिए लड़ना है, वही लोग जातिवाद के लाभार्थी हैं । आरक्षण का फायदा लेने वाला शिक्षित वर्ग क्यों चाहेगा कि जातिवाद खत्म हो क्योंकि जातिवाद खत्म होने का मतलब है कि आरक्षण भी खत्म हो जाएगा । जातिवाद की लड़ाई बहुत जरूरी है लेकिन इसके लिए इस समाज के बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को खुले मन से विचार करके आगे बढ़ना होगा । संविधान ने समानता का अधिकार दिया है लेकिन वास्तविक समानता तो सामाजिक संघर्ष से ही आएगी । अगर इस समाज के लोग निस्वार्थ भाव से सामाजिक संघर्ष के लिए खड़े होते हैं तो पूरा देश इनके साथ खड़ा होगा । आज हिन्दू समाज खुद इस बुराई को समाप्त करना चाहता है लेकिन समस्या यह है कि इस समाज के लोग ही आगे नहीं आ रहे हैं।

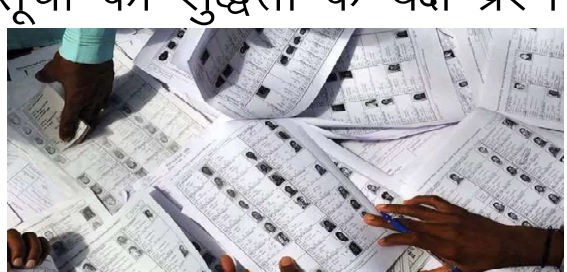

मतदाता सूची की शुद्धता के यक्ष प्रश्न

—राजेश माहेश्वरी—

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले चुनाव आयोग ने राज्य की फाइनल वोटर सूची जारी की है। विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया पूरी करने के बाद बीते 30 सितंबर को आयोग ने फाइनल वोटर लिस्ट अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित कर दी है। एसआईआर को लेकर विवाद अब भी जारी है। भारतीय जनता पार्टी के नेता मुख्तार अब्बास नकवी का कहना है कि इस प्रक्रिया से श्फर्जी मतदाताओंश को हटाया गया है, जिससे मतदाता सूची साफ हुई है। वहीं, कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि यह गरीबों और हाशिए पर पड़े समुदायों के मतदाताओं को बड़े पैमाने पर बाहर करने का एक तरीका है। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया पूरी करने के बाद यह सूची जारी की है। इस मुद्दे पर दोनों प्रमुख दलों के बीच तीखी बहस छिड़ गई है।

बिहार में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले बिहार में कुल 7 करोड़ 89 लाख 69 हजार 844 वोटर्स थे। एसआईआर प्रोसेस 25 जून से शुरू हुआ था। 1 अगस्त को जारी फॉर्मेट वोटर लिस्ट में 7 करोड़ 24 लाख 5 हजार 756 वोटर्स का नाम था, जिसमें 65.63 लाख लोगों का नाम कटा हुआ था।

फॉर्मेट लिस्ट जारी होने के बाद चुनाव आयोग ने 3 लाख लोगों को नोटिस दिया था। इस दौरान 2.17 लाख लोगों ने नाम कटवाने का आवेदन दिया, जबकि 16.93 लाख लोगों ने नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया। 1 अगस्त से 1 सितंबर तक 16 लाख 56 हजार 886 लोगों ने फॉर्म—6 भरकर नया नाम जोड़ने के लिए आवेदन किया। दावा—आपत्ति में 36 हजार 475 ने नाम जोड़ने और 2 लाख 17 हजार 49 ने नाम हटाने का आवेदन दिया। 1 सितंबर से 30 सितंबर तक आए नए आवेदनों का निष्पादन अब तक नहीं हुआ है, जिसका निष्पादन एसआईआर प्रक्रिया खत्म होने के बाद 1 अक्टूबर से होगा। अब नाम जुड़वाने के लिए आधार भी मान्य कर दिया गया है।

विपक्ष वोट चोरी और चुनाव में धांधली जैसे निराधार आरोपों लगातार बीजेपी और चुनाव आयोग पर लगा रहा है। ऐसे में सवाल है कि अगर चुनाव आयोग को किसी तरह की गड़बड़ी करनी होती तो चुनाव आयोग एसआईआर की प्रक्रिया में सभी पार्टियों को इस काम में क्यों सम्मिलित करता? इस पूरे अभियान में लाखों लोग शामिल हैं। चुनाव आयोग की ओर से 78 हजार के करीब बूथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ हैं तो राज्य के सभी राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त एक लाख से ज्यादा बीएलए हैं। अगर मतदाताओं के सत्यापन में किसी प्रकार की गड़बड़ी होगी तो क्या इतने लोगों की नजर में नहीं आती?

किसी भी सशक्त लोकतंत्र के लिए मतदाता सूची की शुद्धता सबसे पहली शर्त होती है। चुनाव आयोग इस प्राथमिक शर्त को पूरा करने के लिए बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया। हालांकि लगातार चुनावी हार से पस्त समूचा विपक्ष इस अभियान के विरुद्ध एकजुट है।

पहले चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर सवाल उठाया गया। फिर आंदोलन के नाम पर गुंडागर्दी के जरिए बिहार बंद करा कर चुनाव आयोग पर दबाव बनाने का प्रयास हुआ और उसके साथ ही सर्वोच्च अदालत में अनेक याचिकाएं दायर करके इसे रोकने का प्रयास हुआ। परंतु विपक्ष का हर प्रयास असफल हो गया। सर्वोच्च अदालत ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने चुनाव आयोग को यह सलाह जरूर दी कि वह नागरिकों की पहचान के लिए वैध दस्तावेज के तौर पर आधार कार्ड, राशन कार्ड और मनरेगा कार्ड को भी मान्यता देने पर विचार करे। इसका अर्थ है कि चुनाव आयोग जो अभियान चला रहा है और उसमें जिन दस्तावेजों के जरिए नागरिकों का सत्यापन किया जा रहा है वह सही है और लोकतंत्र के लिए आवश्यक है।

विपक्षी पार्टियों ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर जो सबसे बड़ी आपत्ति दर्ज कराई थी वह ये थी कि इसके जरिए पिछले दरवाजे से राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर यानी एनआरसी लाने का प्रयास किया गया है। यह आरोप भी निराधार है। सर्वोच्च अदालत ने गुरुवार, 10 जुलाई को सुनवाई के दौरान यह सवाल उठाया कि चुनाव आयोग कैसे नागरिकता का सत्यापन कर सकता है, जबकि यह काम केंद्रीय गृह मंत्रालय का है? इसके जवाब में चुनाव आयोग ने बताया कि जन प्रतिनिधित्व कानून, 1950 की धारा 16 में साफ साफ लिखा है भारतीय नागरिकता एक व्यक्ति के लिए चुनाव में मतदान करने के लिए आवश्यक योग्यता है। इसलिए किसी को व्यक्ति को भारत के किसी भी राज्य का मतदाता बनाने से पहले उसकी नागरिकता का सत्यापन अनिवार्य है।

ध्यान रहे विपक्षी पार्टियां ही चुनाव आयोग पर मतदाती सूची की गड़बड़ियों के आरोप लगाती रहती हैं। कांग्रेस और अन्य पार्टियों ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद आरोप लगाया कि पांच महीने में कैसे 41 लाख मतदाता बन गए। परंतु उन्हीं विपक्षी पार्टियों को मतदाता सूची में सुधार का अभियान भी कबूल नहीं है! ये दोनों बातें एक साथ कैसे हो सकती हैं? अगर चुनाव आयोग को लग रहा है कि मतदाता सूची में अशुद्धि है, उसमें फर्जी नाम जोड़े गए हैं, उसमें घुसपैठियों के नाम शामिल कराए गए हैं या नामों का दोहराव है यानी एक ही व्यक्ति के नाम कई जगह दर्ज हैं तो उसको ठीक करना आयोग की ही जिम्मेदारी है। वही काम चुनाव आयोग कर रहा है और इसमें उसने सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी भी सुनिश्चित की है।

चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि बिहार के बाद धीरे धीरे सभी राज्यों में इसे लागू किया जाएगा। सबसे पहले पश्चिम बंगाल और असम के साथ साथ उन तीन अन्य राज्यों में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण होगा, जिन राज्यों में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। अगर चुनाव आयोग ने यह चक्र जारी रखा तो 2029 के लोकसभा चुनाव तक सभी राज्यों की मतदाता सूची की अशुद्धियां दूर कर दी जाएंगी। फर्जी नाम काट दिए जाएंगे। घुसपैठियों या विदेशी नागरिकों के नाम भी हटा दिए जाएंगे और नामों का दोहराव भी समाप्त हो जाएगा।

आपका चेहरा आपका नहीं.?

—रेनू तिवारी—

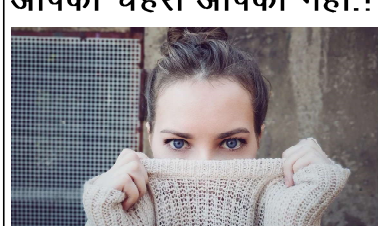

अब जब आप किसी दुकान में प्रवेश करें, फ्लाइट में चढ़ें, अपने बैंक खाते में लॉगिन करें या सोशल मीडिया फीड स्क्रॉल करें, तो संभावना है कि आपसे चेहरा स्कैन करने के लिए कहा जाए। चेहरे की पहचान और अन्य प्रकार की बायोमेट्रिक तकनीक अब पहचान का एक आम जरिया बनती जा रही है। इसे तेज, सुविधाजनक और सुरक्षित बताया जाता है, लेकिन इसके साथ ही यह निजता के उल्लंघन को लेकर भी चिंता पैदा कर रही है। उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया में केमार्ट जैसे बड़े रिटेलर्स बिना ग्राहक की सहमति के, इस तकनीक का इस्तेमाल कर कानून का उल्लंघन करते पाए गए हैं। तो क्या यह एक खतरनाक तकनीकी अतिक्रमण है या सुरक्षा का भविष्य? और खासकर जब बच्चे भी केवल अपने चेहरे से अपनी पहचान साबित करने लगे हैं, तो इसका परिवारों के लिए क्या अर्थ है? चेहरे की पहचान के दो पहलू चेहरे की पहचान तकनीक को सहज और सुविधाजनक सेवा के रूप में पेश किया जाता है। यात्रा उद्योग में यह बात स्पष्ट है, जहाँ क्वांटास जैसी एयरलाइंस इसे यात्रा को आसान बनाने वाला प्रमुख तरीका मानती हैं।

पासपोर्ट और बोर्डिंग पास के झंझट से बचें, बस चेहरा स्कैन करें और आगे बढ़ें। लेकिन जब केमार्ट और बन्निंग्स जैसे बड़े रिटेलर्स ग्राहकों का चेहरा बिना अनुमति के स्कैन करते पाए गए, तो नियामकों ने हस्तक्षेप किया और कड़ी आलोचना हुई। यहाँ इस तकनीक को सुविधा के बजाय विश्वासघात माना गया। बच्चों के मामले में स्थिति और जटिल हो जाती है। नए सरकारी नियमों के तहत, सोशल मीडिया मंच चेहरों के आधार पर आयु सत्यापन तकनीक ला सकते हैं, ताकि ऑनलाइन बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। वहीं स्कूल भी कक्षा में प्रवेश और कैफेटेरिया में भुगतान के लिए चेहरे की पहचान का परीक्षण कर रहे हैं।

फिर भी, डेटा दुरुपयोग की चिंताएं बनी हुई हैं। माइक्रोसॉफ्ट पर बच्चों के बायोमेट्रिक डेटा के गलत प्रबंधन का आरोप लगा है। बच्चों के लिए चेहरे की पहचान धीरे—धीरे एक सामान्य प्रक्रिया बनती जा रही है, बावजूद इसके कि इसके जोखिम वाकई गंभीर हैं। चेहरा हमेशा के लिए रहता है चेहरे की पहचान तकनीक किसी व्यक्ति की अनूठी विशेषताओं को मैप करती है और उसे एक डेटाबेस में मौजूद चेहरों से मिलाती है। यह केवल रिकॉर्डिंग नहीं करता बल्कि सक्रिय रूप से पहचान और वर्गीकरण करता है।

यह तकनीक कोविड महामारी के दौरान तेजी से अपनाए गए क्यूआर कोड चेक—इन सिस्टम से मिलती—जुलती है, लेकिन एक महत्वपूर्ण फर्क है दृ क्यूआर कोड हटाया या खाता डिलीट किया जा सकता है, लेकिन आपका चेहरा नहीं। क्यों यह महत्वपूर्ण हैं चेहरे की पहचान के लिए स्थायित्व एक बड़ी समस्या है। एक बार आपका या आपके बच्चे का चेहरा डेटाबेस में सुरक्षित हो गया, तो वह हमेशा के लिए रह सकता है। यदि डेटाबेस हैक हो जाए, तो आपकी पहचान खतरे में पड़ सकती है। ऐसे समय में जब बैंक और तकनीकी प्लेटफॉर्म बढ़ती सुरक्षा के लिए चेहरे की पहचान पर निर्भर करते हैं, तो दांव बहुत जोखिम भरा है।

छात्रा ने प्रधानाचार्य पर छेड़खानी का लगाया आरोप

संवाददाता–देवरिया। जिले के बघौच घाट थाना क्षेत्र में एक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य पर हाईस्कूल की छात्रा से छेड़खानी का आरोप लगा है। इस मामले की जांच के लिए शुक्रवार को विद्यालय प्रबंधक स्कूल पहुंचे और विभिन्न लोगों के बयान दर्ज किए। पीड़िता के पिता ने डीएम, एसपी और डीआईओएस से लिखित शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई है।

प्रबंधक ने विद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों, ग्रामीणों, पूर्व प्रधान और पीड़िता के पिता के बयान दर्ज किए। उन्होंने बताया कि पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट तैयार कर जिला डीआईओएस को सौंपी जाएगी। इस जांच को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी प्रधानाचार्य के अनुचित व्यवहार से मानसिक रूप से परेशान है। उन्होंने बताया कि बेटी ने घर आकर पूरी घटना बताई, जिसके बाद उन्होंने तत्काल प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की। पिता ने प्रधानाचार्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई और छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। जांच के दौरान लगभग 35 शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे, जिन्होंने अपनी जानकारी और राय साझा की। प्रबंधक ने कहा कि यह एक गंभीर घटना है और निष्पक्ष जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि रिपोर्ट जल्द ही डीआईओएस को भेजी जाएगी ताकि शिक्षा विभाग उचित निर्णय ले सके। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया है। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि छात्रा और उसके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद कठोर कदम उठाए जाएंगे। डीआईओएस ने भी कहा है कि प्रबंधक की रिपोर्ट मिलने के बाद प्रधानाचार्य पर विभागीय और कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी।

दहेज हत्या मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। तुलसीपुर पुलिस ने दहेज हत्या और दहेज प्रतिषेध अधिनियम से जुड़े एक मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक महिला भी शामिल है।

पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक प्रदीप यादव, हेड कॉन्स्टेबल अजय मौर्य और महिला कॉन्स्टेबल प्रियंका शुक्ला की टीम ने अभियुक्तों को पकड़ा।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान पम्पा उर्फ पंचम पुत्र जूने, सूरज पुत्र पम्पा उर्फ पंचम और चमेली पत्नी पम्पा उर्फ पंचम के रूप में हुई है। ये सभी तुलसीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चयपुरवा के निवासी हैं और उन्हें उनके निवास स्थान से ही गिरफ्तार किया गया।

पुलिस टीम ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया।

डीजे पर नाचने के दौरान फायरिंग को लेकर मुकदमा दर्ज, आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया

संवाददाता–गोण्डा। जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बुधईपुरवा गांव में देर रात डीजे पर नाचने को लेकर हनुमंत लाल शुक्ल द्वारा की गई फायरिंग को लेकर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। नगर कोतवाली पुलिस ने गोली लगने से घायल निखिलेश शुक्ला के तहरीर पर आरोपी हनुमंत लाल शुक्ला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

इस घटना में 22 वर्षीय निखिलेश शुक्ला के दाहिने पैर में गोली लगी है, जिनका गोंडा मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। यह घटना देर रात हुई जिसके बाद मिथिलेश शुक्ला गुट की तहरीर पर नगर कोतवाली में हनुमंत लाल शुक्ला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी हनुमंत लाल शुक्ला को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है।

फायरिंग में सत्येंद्र नाथ शुक्ला के प्राइवेट पार्ट से भी गोली छूकर निकल गई थी। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गोंडा मेडिकल कॉलेज से छुट्टी दे दी गई है। घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वायरल वीडियो में एक युवक अपने हाथ में तमंचा लिए हुए दिख रहा है, जिसे वह लोगों के डर से कमर के पीछे छिपा रहा है। इसी दौरान लोगों के बीच विवाद बढ़ता है और फायरिंग की आवाज सुनाई देती है। बताया गया है कि आरोपी हनुमंत लाल शुक्ला ने खुद को बचाने के लिए अपने सिर पर हमला कर लिया था और फायरिंग का आरोप निखिलेश शुक्ला गुट पर लगाया था।

अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत ने बताया कि देर रात करीब 8 बजे नगर कोतवाली पुलिस को बुधईपुरवा में डीजे पर नाचने को लेकर दो पक्षों – मिथिलेश शुक्ला और हनुमंत लाल शुक्ला – के बीच गाली–गलौज और मारपीट की सूचना मिली थी।जिसमें निखिलेश शुक्ला ने आरोप लगाया है कि हनुमंत शुक्ला ने उनके ऊपर तमंचे से फायर कर दिया है जिससे उसके पैर में छर्रा लग गया है। गोंडा मेडिकल कॉलेज में निखिलेश शुक्ला को भर्ती कराया गया है जहां पर इलाज चल रहा है हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

कुएं में मिला युवक का शव

संवाददाता–गोण्डा। वजीरगंज थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत करदा के मजरा मोहनपुर में गुरुवार शाम कुएं में एक शव मिला है। मृतक की पहचान 53 वर्षीय राजकरन यादव के रूप में हुई है। फिलहाल, पुलिस ने शब को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के अनुसार, राजकरन यादव गुरुवार देर शाम शौच के लिए घर से बाहर निकले थे। काफी देर तक वापस न आने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। घर से लगभग पचास मीटर दूर स्थित कुएं में झांकने पर उनका शव तैरता हुआ मिला। परिजनों के शोर मचाने पर सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और शव को कुएं से बाहर निकाला गया। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक राजकरन यादव के कोई बेटा नहीं था, उनकी छह बेटियां हैं, जिनमें से दो की शादी हो चुकी है।

इस घटना से परिवार सदमे में है। परिजनों की तहरीर पर शुक्रवार सुबह एसओ यशवंत सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का मुआयना कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। एसओ ने बताया कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। राजस्व टीम से विवेक वर्मा भी घटनास्थल पर जांच कर लोगों से पूछताछ कर रहे हैं।

दो युवकों में जमकर हुई मारपीट, रावण दहन देखकर लौटते समय भिडे

संवाददाता–गोण्डा। जिले में नगर कोतवाली क्षेत्र के खैरा स्थित रामलीला मैदान में देर रात रावण पुतला दहन कार्यक्रम समाप्त होने के बाद दो युवकों के बीच जमकर मारपीट हो गई। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कार्यक्रम के बाद घर लौटते समय मेले में ही दो युवकों में किसी मामूली बात को लेकर कहासुनी हो गई। यह विवाद देखते ही देखते गाली–गलौज और आपसी झगड़े से बढ़कर हाथापाई और मारपीट में बदल गया। दोनों युवकों ने एक–दूसरे के साथ खूब मारपीट की जो करीब आधे घंटे तक जारी रही। इस दौरान आस–पास ठेला लगाकर दुकान चलाने वाले लोगों को भी काफी असुविधा हुई। वायरल हो रहे

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि मारपीट के बीच एक युवती भी दोनों युवकों को बचाने की कोशिश कर रही है लेकिन कुछ लोग उसके साथ भी हाथापाई करते नजर आ रहे हैं। इस घटना को देखकर आसपास मौजूद लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और बीच–बचाव करने लगे। इसी बीच दोनों पक्षों के परिजन भी वहां पहुंच गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, बीते दो सालों से खैरा रामलीला मैदान में रावण दहन के बाद ऐसी घटनाएं होती रही हैं। कभी रावण की अस्थियां लूटने के लिए तो कभी रावण देखने के दौरान लोगों में विवाद होता रहा है।

वहीं घ्इस पूरे मामले पर नगर कोतवाल विवेक त्रिवेदी ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। सेमरा चौकी पुलिस को निर्देश दिया गया है कि दोनों युवकों के बीच विवाद के कारणों और उनके पहचान की जांच की जाए। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

मूर्ति विसर्जन में हाई टेंशन लाइन से 3 घायल

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा नगर पंचायत में मूर्ति विसर्जन के दौरान एक हाई टेंशन बिजली के तार की चपेट में आने से तीन लोग घायल हो गए। यह हादसा पनियरा थाना क्षेत्र के रजौड़ा शराब भट्ठी के पास हुआ। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

यह घटना नगर पंचायत पनियरा के धंगरहवा वार्ड नंबर पांच से मूर्ति विसर्जन के लिए जाते समय हुई। ट्रैक्टर–ट्रॉली पर रखी मूर्ति अचानक हाई टेंशन तार के संपर्क में आ गई, जिससे न केवल मूर्ति में आग लग गई, बल्कि ट्रॉली पर सवार लोग भी बिजली के जोरदार झटके की चपेट में आ गए। हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान निखिलेश राय (16 वर्ष), शत्रुघ्न राय (27 वर्ष) और 7 वर्षीय अमित के रूप में हुई है। ये सभी पनियरा के वार्ड नंबर 5 के निवासी हैं।

शत्रुघ्न राय की हालत काफी गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहीं, निखिलेश राय और बालक अमित का इलाज पनियरा कस्बे के एक निजी अस्पताल में चल रहा है, जहाँ उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

हादसे की सूचना मिलते ही पनियरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष आशीष कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मौके पर जांच–पड़ताल कर रही है। उन्होंने पुष्टि की कि दो लोगों की हालत स्थिर है, जबकि गंभीर रूप से घायल एक युवक को मेडिकल कॉलेज गोरखपुर भेजा गया है।

विजयदशमी पर आरएसएस का राम नगरी में हुआ पर संचलन

अयोध्या के संत महंत भी हुए सम्मिलित, 50वां स्थान पर पुष्प वर्षा कर किया गया स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष समारोह पर विजयदशमी 2 अक्टूबर को सुबह रामकथा पार्क से ही स्वयंसेवक संघ मार्च करते हुए श्रीरामजन्मभूमि तक पहुंचे। संघ का यह पथ संचलन अयोध्या में आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस दौरान स्वंय सेवकों पर 50 स्थानों पर पुष्प वर्षा की गई और जय श्रीराम के नारे लगाकर उनका उत्साहवर्द्धन किया गया, पथ संचलन में लगभग दो हजार गणवेशधारी स्वयंसेवक सम्मिलित हुए जिनके कंधो पर लाठियां चमकती रहीं। स्वयंसेवकों का स्वागत पुष्पवर्षा कर विविध संगठनों के कार्यकर्ता व सामान्य नागरिकों ने पूरे मार्ग को विशेष रूप से सजाया। कार्यक्रम का शुभारंभ शस्त्र पूजन से हुआ।रामकथा पार्क में अयोध्या के दो क्षेत्रों रामलला नगर व अशोक सिंहल नगर के गणवेश धारी स्वयंसेवकों को आरएसएस के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने संबोधित किया। रामकथा पार्क से ही ये स्वयंसेवक संघ मार्च करते हुए श्रीरामजन्मभूमि तक पहुंचे।

जिसमें श्रीमद् जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य, श्रीरामवल्लभाकुंज के अधिकारी राजकुमार दास, लक्ष्मण किला के महंत मैथिलीरमण शरण, वामन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण, हनुमानगढ़ी के सरपंच महंत रामकुमार दास, झनुकीघाट सियाराम किला के महंत करुणानिधान शरण, श्री राम आश्रम के महंत जय रामदास,महंत राजू दास हनुमानगढ़ी, हनुमत निवास के आचार्य डां मिथिलेश नंदिनी शरण, हनुमानगढ़ी के पुजारी रमेश दास, राम मंदिर के वरिष्ठ ट्रस्टी डाक्टर अनिल मिश्र, प्रथम मेयर ऋषिकेश उपाध्याय, मेयर महंत गिरीशपति तिवारी और संत एमबी दास के साथ रामशरण दास रामायणी प्रमुख रूप से शामिल रहे।आरएसएस की स्थापना इसी दिन 1925 में नागपुर के मोहिते के बाड़े में हुई थी। श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन में संघ की प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों भूमिका रही। आरएसएस इस कार्यक्रम को लेकर कई तैयार बैठकें कर चुका है। दो दिन पहले भी कारसेवकपुरम में एक बैठक आरएसएस के प्रांत प्रचारक की मौजूदगी में हुई थी।

एडीएम–एएसपी ने जुमे की नमाज पर किया पैदल गश्त, शांतिपूर्वक संपन्न हुई नमाज

संवाददाता–देवरिया। शुक्रवार को पुलिस और प्रशासन दिन भर पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद रहा। जुम्मे की नमाज को देखते हुए पुलिस–प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की। पिछले शुक्रवार को बरेली में जुम्मे की नमाज के बाद हुए विवाद को देखते हुए जिले को हाई अलर्ट किया गया था। इसे देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) उत्तरी आनंद कुमार पांडेय और एडीएम प्रशासन जैनेन्द्र सिंह ने शहर में पैदल गश्त कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक कोतवाली समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

देश में आई लव मोहम्मद को लेकर छिड़े विवाद को लेकर पिछले शुक्रवार को बरेली में हिंसा हुई थी। जुम्मा की नमाज के बाद लोग आकर्षित होगा प्रदर्शन करने लगे थे। इसे देखते हुए पुलिस विभाग ने प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित किया था। इसे देखते हुए देवरिया के सभी मस्जिदों पर सुरक्षा की तैनाती की गई थी। पुलिस की मुस्तादी से जिले में शांतिपूर्वक जुम्मे की नमाज अदा की गई। शहर के ऊपर नगर स्थित जामा मस्जिद पर कोतवाल टीजे सिंह पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे।

अधिकारियों ने भ्रमण के दौरान नगर के भीड़भाड़ वाले इलाकों, धार्मिक स्थलों और चौक–चौराहों का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि वे पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी करें। एएसपी उत्तरी ने कहा कि किसी भी स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। त्योहारों और धार्मिक आयोजनों में जरा–सी असावधानी भी गंभीर परिणाम ला सकती है, इसलिए सभी जवानों को हर क्षण चौकस रहना होगा।

पैदल गश्त के दौरान एएसपी और एडीएम ने स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्धजनों से भी संवाद किया। उन्होंने कहा कि देवरिया की गंगा–जमुनी तहजीब पूरे प्रदेश में मिसाल है और इसे बनाए रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। एएसपी ने जनता से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और यदि कहीं संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुलिस–प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर समय तैयार है। शहर के अबूबकर नगर स्थित जामा मस्जिद में कोतवाल टीजे सिंह स्वयं पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। जुम्मे की नमाज के दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात रहे और नमाज अदा होने के बाद भी सुरक्षा व्यवस्था बनी रही। जिले की अन्य मस्जिदों पर भी पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। सख्त और पुख्ता इंतजामों के चलते जिले भर में कहीं कोई विवाद या तनावपूर्ण स्थिति नहीं बनी और नमाज शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई।

एएसपी उत्तरी ने मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि वे जनता के साथ सौम्य व्यवहार करें। उन्होंने कहा कि पुलिस केवल कानून–व्यवस्था संभालने वाली शक्ति नहीं है, बल्कि जनता के विश्वास की गारंटी भी है। जरूरतमंद लोगों को हर संभव मदद दी जानी चाहिए।

एडीएम प्रशासन ने भी अधिकारियों और कर्मचारियों को शांति–व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी सजगता से कार्य करने को कहा। अधिकारियों ने भ्रमण के दौरान यातायात व्यवस्था की भी समीक्षा की। एएसपी ने ट्रैफिक पुलिस को हिदायत दी कि नमाज और विसर्जन के दौरान मुख्य मार्गों पर जाम की स्थिति न बनने पाए। श्रद्धालुओं और आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मार्गों को समय–समय पर डायवर्ट किया जाए और संवेदनशील चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहे।

एएसपी उत्तरी ने दोहराया कि जिले में शांति और सौहार्द बनाए रखना प्रशासन और पुलिस की ही नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस–प्रशासन और जनता मिलकर काम करें तो किसी भी चुनौती का सामना आसानी से किया जा सकता है।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान अपर उप जिलाधिकारी सदर जनपद अयोध्या

वाद सं. सन 2025

परशुराम तिवारी

बनाम

सरकार उ0प्र0 आदि

बनाम–1–सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या 2–गांवसभा द्वारा ग्राम प्रधान मौजा पौसरा उपरहार तहसील सदर जनपद– अयोध्या 3– कमला यादव पुत्र राम भरोसे 4– सालिकराम तिवारी पुत्र देवी प्रसाद तिवारी मौजा पौसरा उपरहार तहसील सदर जनपद– अयोध्या

तारीख पेशी 06–10–2025

चूंकि उपरिनामांकित उक्त ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 10 के 06 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

न्यायालय–श्रीमान अपर उप जिलाधिकारी सदर जनपद अयोध्या

वाद सं. सन 2025

सालिकराम

बनाम

सरकार उ0प्र0 आदि

बनाम–1–सरकार उत्तर प्रदेश द्वारा कलेक्टर महोदय अयोध्या 2–गांवसभा द्वारा ग्राम प्रधान मौजा पौसरा उपरहार (सिहोरिया) परगना अमसिन तहसील सदर जनपद– अयोध्या 3– सेठ प्रसाद यादव पुत्र रामफेर 4– परसुराम पुत्र रमाशंकर 5– गणेश प्रसाद पुत्र कमला प्रसाद 6– शहजाद अली पुत्र शरीफ 7– जाकिर पुत्र मो. शरीफ मौजा पौसरा उपरहार (सिहोरिया) परगना अमसिन तहसील सदर जनपद– अयोध्या

तारीख पेशी 06–10–2025

चूंकि उपरिनामांकित उक्त ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 10 के 06दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 25 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

मूर्ति विसर्जन के दौरान युवक की डूबकर मौत, शव बरामद

संवाददाता–गोण्डा। खोड़ारे थाना क्षेत्र के दौलतपुर ग्रांट में शुक्रवार को युवक का शव बरामद हुआ है। गुरुवार रात को मूर्ति विसर्जन के दौरान युवक नदी में डूब गया था। यह घटना दशहरे के अवसर पर भालू कोनी नदी पर हुई। मृतक की पहचान 22 वर्षीय मोहित पुत्र नंदकिशोर, निवासी दौलतपुर ग्रांट खलंगवा के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, मोहित गुरुवार देर शाम मूर्ति विसर्जन के लिए कुआनो नदी के भालू कोनी घाट पर गया था। देर शाम उसके नदी में डूबने की सूचना मिली। गोताखोरों की मदद से रात भर खोजबीन की गई, लेकिन शव नहीं मिल सका। शुक्रवार सुबह गोताखोरों ने फिर से खोजबीन शुरू की, जिसके बाद मोहित का शव मूर्ति के नीचे दबा हुआ मिला। पुलिस ने शव को नदी से निकालकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थानाध्यक्ष प्रबोध कुमार ने बताया कि युवक की मौत गुरुवार देर शाम नदी में डूबने से हुई थी। शव को शुक्रवार सुबह बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस घटना की जानकारी मिलने पर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नीरज पटेल ने पीड़ित परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

एनीमिया मुक्त बनाने के लिए चला अभियान, जिले भर में महिलाओं ने ली खुराक

संवाददाता–महराजगंज। मिशन शक्ति के तहत एनीमिया मुक्त महराजगंज बनाने के लिए डीएम संतोष कुमार शर्मा की पहल पर यहां एक विशेष अभियान चला। महिला अस्पताल में डीएम संतोष कुमार शर्मा ने अभियान का शुभारंभ किया। जिले भर के अस्पतालों, पंचायत भवनों व एएनएम सेंटरों सहित सीएचसी–पीएचसी में महिलाओं व किशोरियों को आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम व विटामिन सी की दवाएं दी गईं। खुराक खिलाने के साथ ही महीने भर की दवा भी दी गई। डीएम ने कहा कि सरकार मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर प्रतिबद्ध है। कहा कि एनीमिया एक गंभीर समस्या है, जो विशेषकर महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

इसलिए इस अभियान को चलाया गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले को एनीमिया मुक्त बनाने के लिए व्यापक जनजागरूकता, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, आयरन सप्लीमेंटेशन तथा संतुलित आहार के महत्व को जन–जन तक पहुंचाएं। इस अभियान से जिले की मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर सीएमओ डॉ. श्रीकांत शुक्ला, सीएमएस डॉ. एके द्विवेदी, अन्य चिकित्सकगण, आशा संगिनी तथा बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। महिलाओं का स्वस्थ रहना बेहद जरूरी रू विधायक शहर के सिटी सेंटर हास्पिटल में एनीमिया मुक्त अभियान का शुभारंभ करते हुए विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि एक स्वस्थ परिवार के लिए महिलाओं का स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। इस विशेष पहल के तहत इस हास्पिटल में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। विधायक जयमंगल कन्नौजिया, अस्पताल के एमडी विजय पांडेय, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ज्योत्स्ना ओझा एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन आरके सिंह ने महिलाओं को एनीमिया से बचाव के लिए विशेष किट दिए। किट में आयरन की गोलियां, विटामिन–सी टैबलेट, गुड़ और चना शामिल रहा। साथ ही ओपीडी में आई महिलाओं का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व रक्त जांच करते हुए उन्हें किट दिया गया। इस दौरान आयुष्मान तिवारी, अजय पांडेय, कृष्णा यादव, अभिषेक यादव, रोहिनी विश्वकर्मा, रामबदन वर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

सद्गुरु कबीर का विचार भाईचारा और दुनिया को जोड़ने वाला -अमर सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। कबीर मठ जियनपुर महोबरा बाजार, अयोध्या धाम के संस्थापक रामसूरत साहेब एवं निर्माणकर्ता उदार साहेब की पुण्य स्मृति में आयोजित तीन दिवसीय सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला का हुआ समापन। शुक्रवार की सुबह समापन सत्र में मुख्य अतिथि किसान मजदूर मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमर सिंह पटेल ने कहा कि सदगुरु कबीर साहेब ने अपना जो विचार, संदेश दिया है। वह भाईचारा और दुनिया को जोड़ने वाला है। आज उनके संदेश का वैज्ञानिक रिसर्च हो रहा है। ऐसे ऋषि को भारत सरकार विशेष दर्जा दे। साथ ही साथ कबीर साहेब के विचारों एवं संदेश को बच्चों के पाठ्यक्रम में लागू किया जाए। विशिष्ट अतिथि मौर्या कुशवाहा मंदिर के महंत सनत कुमार दास ने कहा कि सदगुरु कबीर साहेब मानवतावादी थे। उन्होंने जात–पात, छुआ–छूत, वाह्य आडंबरों आदि का विरोध किया। हमें उनके विचारों का अनुसरण करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परमात्मा प्रसाद चौधरी ने कहा कि कबीर साहेब के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। महंत सनत कुमार दास महाराज ने कहा कि गुरु कृपा से ही सब कुछ संभव है। भगवान की उपासना होनी चाहिए नाम स्मरण होना चाहिए जीव का कल्याण होगा।कबीर धर्म मंदिर सेवा समिति कबीर मठ जियनपुर के कार्यवाहक अध्यक्ष महंत उमाशंकर दास ने बताया कि कबीर मठ के संस्थापक स्वरूपलीन रामसूरत साहेब व निर्माण कर्ता उदार साहेब की पुण्य स्मृति में तीन दिवसीय सांप्रदायिक सौहार्द कबीर मेला का आयोजन किया था, जिसका समापन हुआ। पधारे हुए सभी संतों का स्वागत–सम्मान कर भेंट, विदाई किया गया। गोष्ठी में विवेक साहेब सोनभद्र, महंत कार्तिकेय दास, महंत आनंद दास ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

संचालन कबीर धर्म मंदिर सेवा समिति जियनपुर के कार्यवाहक मंत्री संत विवेक ब्रह्मचारी ने किया। इस अवसर पर निर्भय साहेब, पूर्व प्रधान गुरुचरण यादव, श्री भानु प्रताप वर्मा इंटर कालेज हनुमत नगर के प्राचार्य निर्मल वर्मा, राजेंद्र वर्मा, नंद स्वरूप, बालकराम यादव, धर्मेंद्र कुमार, धर्मेंद्र रावत, राजेश कुमार, युवराज दास, रामलाल दास, भुवनेश्वर दास, राधेश्याम दास, नरसिंह दास, फक्कड़ साहेब, खिलेंद्र दास, डॉ. अनूप जायसवाल, गोविंद साहेब, प्रभुनाथ मिश्रा, एडवोकेट प्रवीण कुमार मिश्रा, सोनू, महंत अद्वेतानंद, समाजसेवी सुरेश यादव, रामअभिलाष वर्मा, अमरनाथ वर्मा, राकेश वर्मा, राजगोपाल वर्मा, सुरेंद्र वर्मा, एडवोकेट एहतेशाम व संदीप पांडेय, बब्लू वर्मा, अशोक वर्मा, प्रेम वर्मा, राजाराम वर्मा, गजराज यादव, अमरनाथ यादव, मुलायम यादव, अजीत यादव, अभिषेक यादव, पुष्कर यादव, रामनाथ वर्मा, डॉ. बालकराम विश्वकर्मा, साहबदीन विश्वकर्मा, रामनाथ मौर्या, मंशाराम वर्मा, ज्ञानचंद वर्मा, आदित्य पटेल, लल्लन, जोखू यादव, रामस्वरुप व मुरारी साहेब नेपाल, अखिलेश यादव, विष्णु यादव आदि उपस्थित रहे।

सीएम योगी ने सुनीं जनता की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

संवाददाता–गोरखपुर। शारदीय नवरात्र और विजयदशमी पर्व के उपलक्ष्य में लगातार चार दिन आनुष्ठानिक कार्यक्रमों में व्यस्त रहने के बावजूद आराम करने की बजाय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दी। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन का आयोजन किया। लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाना सरकार का संकल्प है इसलिए जन समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दें। शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं।

सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए संकल्पित है। इस दौरान उन्होंने अफसरों को हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि जमीन जायदाद से जुड़ा विवाद पारिवारिक हो तो, संबंधित पक्षों को बैठाकर आपसी संवाद से निस्तारण कराया जाए। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाएं।

मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में हर बार की भांति इस बार भी कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया। गोरखनाथ मंदिर परिसर में शुक्रवार सुबह भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहुत से बच्चों से मुलाकात की। प्यार लुटाते हुए उनसे आत्मीय बातचीत कर चॉकलेट दिया। नाम और पढ़ाई के बारे में पूछा और खूब आशीर्वाद दिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बाल प्रेम जगजाहिर है। प्रोटोकॉल परे कर बच्चों से मिलना, उनसे ठिठोली करना, उन्हें दुलारना, खूब पढ़ने का आशीर्वाद देना और चॉकलेट देना उनकी खासियत है। बच्चों के साथ उनकी ऐसी ही आत्मीयता का दृश्य शुक्रवार सुबह भी गोरखनाथ मंदिर में देखने को मिला। गुरुवार शाम विजयदशमी शोभायात्रा की अगुवाई करने के बाद रात्रि प्रवास के बाद शुक्रवार सुबह उनकी दिनचर्या परंपरागत रही। महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने के बाद उन्होंने अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर जाकर मत्था टेका और उनका आशीर्वाद लिया। हर बार की तरह वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। इस दौरान उनकी नजर श्रद्धालुओं के साथ उनके बच्चों पर पड़ गई।

मुख्यमंत्री ने बच्चों को अपने पास बुला लिया। एक–एक करके सबसे उनका नाम पूछा, किस क्लास में पढ़ते हैं, इसकी जानकारी ली। कुछ बच्चों से हंसी–ठिठोली भी की। उन्होंने बच्चों से बेहद अपनेपन से बातचीत की। सबके माथे पर हाथ फेरकर प्यार–दुलार और आशीर्वाद दिया कि खूब मन लगाकर पढ़िए और खूब आगे बढ़िए। मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को चॉकलेट भी दिया।

विधायक ने पशु आरोग्य शिविर का शुभारंभ किया

संवाददाता–संतकबीरनगर। बेलहर थाना क्षेत्र के जोरवा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर और मेले का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनता और पशुपालक उपस्थित रहे। शिविर में पशुओं की देखरेख और उपचार संबंधी विभिन्न सेवाएं प्रदान की गईं, जिसका लाभ क्षेत्रीय जनता ने बढ़–चढ़कर उठाया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पशुधन को स्वस्थ और उत्पादक बनाए रखना था। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक गौपूजन के साथ हुआ। इस अनुष्ठान में उपस्थित जनसमूह ने भाग लिया, जिसने भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं के महत्व को दर्शाया। अतिथियों ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऐसे आयोजन पशुधन को स्वस्थ रखने, उनकी उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जोर दिया कि पशुओं का स्वास्थ्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और आत्मनिर्भरता के लिए आवश्यक है।

कार्यालय नगर पंचायत बभनान बाजार जनपद-बस्ती

निविदा सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत बभनान बाजार बस्ती में राज्य वित्त आयोग से वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु सालिड वेस्ट मैनेजमेन्ट के अन्तर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु नगर पंचायत बभनान बाजार, बस्ती सीमान्तर्गत वार्ड नं० 08 आदिशक्ति नगर में बगनान गौर रोड़ के किनारे फूड़े का डम्मसाईट रिमाईडेशन कार्य कराये जाने हेतु निविदा दर दिनांक 05–10–20 अपरान्ह 3 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। प्राप्त निविदा उसी दिन अपरान्ह 04 बजे उपस्थित ठेकदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों के उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी के समक्ष खोला जायेगा। निविदा प्रपत्र दिनांक साय 05 बजे तक निर्धारित कीमत जमा करके प्राप्त किया जा सकता है। कार्य वावत् विशेष जानकारी किसी भी कार्य दिवस में नगर पंचायत बभनान बाजार बस्ती से प्राप्त किया जा सकता है। कार्यों वावत् धरोहर धनराशि निविदा दर का 10 प्रतिशत की धनराशि का एन०एस०सी०/ई०वी०पी०जी०/ राष्ट्रीयकृत बैंक का एफडीआर के रूप में निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा, जो अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत बभनान बाजार, बस्ती के पद नाम से बन्धक होगा। बिना धरोहर धनराशि के किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा।

क्र०सं०	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि	कीमत टेन्डर फार्म (रूपये मे)	कार्य अवधि
01	02	04	05	06
01	ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु नगर पंचायत बभनान बाजार बस्ती सीमान्तर्गत वार्ड नं० ०8 आदिशक्ति नगर में बभनान गौर रोड़ के किनारे कुडे का डम्पसाईट रिमाईडेशन कार्य	निविदा दर का 10 प्रतिशत की धनराशि	1000.00	–

नोट:–

01– निविदा दाता को मु० 100.00 रूपये के नान जुडिसियल स्टाम्प पेपर पर निर्धारित प्रारूप पर स्व घोषणा पत्र देना अनिवार्य होगा ।

02– निविदाता फर्म/कम्पनी को अनुभव होना आवश्यक है।

04– निविदा दाता का जी०एस०टी० पंजीयन पैन कार्ड श्रम विभाग विभाग में रजिस्ट्रेशन संलग्न करना अनिवार्य होगा।

05 – कार्यादेश प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर अनुबन्ध कराना अनिवार्य होगा। अन्यथा की दशा में अर्थदण्ड/निविदा निरस्त की कार्यवाही कर दी जायेगी।

06 – किसी भी निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार आधोहस्ताक्षरी को निहित होगा।

अधिशासी अधिकारी,
नगर पंचायत बभनान बाजार, बस्ती।

अध्यक्ष,
नगर पंचायत बभनान बाजार, बस्ती।

कार्यालय नगर पंचायत बभनान बाजार जनपद–बस्ती

पत्रांक 420(3) न०पं०ब०बा० /2025–26 दिनांक 27–9–2025

जुमे की नमाज शांतिपूर्ण संपन्न

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज में जुम्मे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए थे। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर और पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के निर्देशन में ये व्यवस्थाएं की गईं। उपजिलाधिकारी राजेश कुमार और क्षेत्राधिकारी बृजेश कुमार वर्मा ने डुमरियागंज सर्किल के सभी थाना क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। पुलिस बल ने सक्रियता के साथ नमाज को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। क्षेत्र में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए पुलिस की व्यापक तैनाती की गई थी। स्थानीय प्रशासन और पुलिस की इस पहल के कारण जुम्मे की नमाज बिना किसी व्यवधान के सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी झिनकान पुत्र सोमई ग्राम– देवाडीहा पोस्ट– निरंजनपुर जनपद बस्ती उ.प्र. का निवासी है। मेरे पुत्र का नाम अयांश (AYANSH) है। आधारकार्ड में त्रुटिबश उसका नाम दरोगा ((DAROGA) हो गया है जो गलत है। उसे सुधारकर अयांश (AYANSH) कराया जाय।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति० सिविल जज (जू०डि) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं०–34/89
रामअभिलाख
बनाम
महबूब आदि
2/1 मो० यासीन 2/2 शहजाद हुसैन 2/3 बैदुर्रहसन खान 2/4 मुहम्मद मुस्ताक 2/5 यार मोहम्मद 2/6 वजीर खां पुत्रगण छोटकू मृतक साकिनान मौजा पकड़ी जप्ती तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–10–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–721/2024
प्रहलाद
बनाम
मंगरू आदि
1. मंगरू 2. राम जियावन 3. त्रिलोकी पुत्रगण मुन्नू 4. प्रभावती पत्नी राजेन्द्र 5. विजय कुमार 6. सूरज चौधरी पुत्रगण राजेन्द्र निवासीगण ग्राम शेखापुर चक दोस्त मोहम्मद तप्पा आदमपुर परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 31–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–147/2019
कालेदीन
बनाम
सेवक आदि
1/1 राहुल कुमार उम्र लगभग 30 साल पुत्र स्व0 सेवक 1/2 रामपति उम्र लगभग 72 साल पत्नी स्व0 सेवक साकिनान मौजा ठोकवा तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 29–10–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 29 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–31/2008
रामअचरज
बनाम
श्याम सुन्दर आदि
1. श्याम सुन्दर (मृतक) 2. सन्त शिरोमणि 3. शेषमणि 4. अलख निरंजन पुत्रगण श्याम सुन्दर 5. अनारकली पत्नी श्याम सुन्दर निवासीगण लबदहा तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 6. अमरावती पत्नी राजेश निवासी सीतारामपुर पो0 पोखरनी बस्ती 7. चन्द्रावती पत्नी श्याम नरायन साकिन अठदमा पो0 पोखरनी बस्ती 8. दामवन्ती पत्नी रामकरन साकिन जोगहटा पो0 दुबौलिया जनपद बस्ती 9. रामहरख (मृतक) 10. शम्भू 11. सोनी देवी पत्नी शीतला 12. राधेश्याम पुत्र शम्भू 13. घनश्याम पुत्र शम्भू निवासीगण लबदहा तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–10–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 04 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–475/2011
श्याम लाल
बनाम
मो0 अली आदि
1/1 खुर्शीद उम्र लगभग 45 वर्ष 1/2 ताजुद्दीन उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्रगण मो0 अली 5/1 फरजन अली उम्र लगभग 45 पुत्र इनातुल्लाह 5/2 हजरत वेलाल उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र अब्दुल कलाम साकिनान मौजा मझौवा खजुरी तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 07–10–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 07 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

सरदार पटेल की जयंती पर 31 अक्तूबर को प्रयागराज से अयोध्या तक पदयात्रा निकालेगी 'आप' –संजय सिंह

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह पहुंचे। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में प्रदेश और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। एलान किया कि 31 अक्तूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर प्रयागराज से अयोध्या तक पदयात्रा निकाली जाएगी। यह पदयात्रा अयोध्या में आकर समाप्त होगी और इसके जरिये प्रदेश में बढ़ते सामाजिक अन्याय, भेदभाव और अन्य मुद्दों को जनता के बीच रखा जाएगा। संजय सिंह ने बरेली में हुए बुलडोजर एक्शन को लेकर सरकार पर हमला बोला और कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी स्पष्ट किया है कि बिना प्रक्रिया पूरी किए किसी का घर उजाड़ना कानून के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि बुलडोजर कार्रवाई में मुसलमानों के घरों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में दलितों पर अत्याचार बढ़े हैं और प्रदेश सामाजिक अन्याय का गढ़ बन चुका है। साथ ही उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक पर भी सरकार को घेरा। धार्मिक विवाद पर बोलते हुए संजय सिंह ने कहा कि आई लव महादेव है तो हम जाकर मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। आई लव मोहम्मद तो उनके धर्म के मुताबिक ही नहीं है। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता का विषय नहीं होना चाहिए।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद संख्या 772/96
धारा 201 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– न्यायालय–श्रीमान नायब तहसीलदार तिलौली बांसी महोदय सिद्धार्थनगर
रामजियावन
बनाम
रामदीन
1. रामदीन पुत्र कोदई कथित पुत्र मतई साकिन मनिकौरा नानकार तप्पा मसिना परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 10–10–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 10 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–99/2022
विजय कुमार आदि
बनाम
अजय कुमार आदि
3/1 सरोज उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी स्व0 संजय कुमार 3/2 सोनम उम्र लगभग 10 वर्ष 3/3 सुन्दरी उम्र लगभग 7 वर्ष अवयस्क पुत्रीगण स्व0 संजय कुमार द्वारा संरक्षिका श्रीमती सरोज माता स्वयं निवासीगण ग्राम कस्बा मेहदावल मोहल्ला पुरवा तप्पा व तहसील मेहदावल परगना मगहर पूरव जनपद–संतकबीरनगर

तारीख पेशी 30–10–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 30 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 03 माह 10 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद संख्या
अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी अन्तिम अभिलेख बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती तराबुननिशां आदि
बनाम
एकलाख अहमद आदि
1. श्रीमती तराबुननिशां पत्नी रियाजुलहक 2. फकरे मोहम्मद 3. नवी मोहम्मद 4. एजाज अहमद 5. वसी मोहम्मद 6. नियाज अहमद पुत्रगण फते मोहम्मद 7. श्रीमती अमरूननिशा पत्नी फते मोहम्मद 8. जमीरूल हसन 9. अली हसन 10. गुल हसन पुत्रगण मेहदी हसन 11. श्रीमती आमिना खातून पत्नी मेहदी हसन 12. अताउल्लाह 13. सेराज अहमद 14. एकवाल अहमद पुत्रगण मकबूल हसन 15. श्रीमती सुयैलहा खातून पत्नी मकबूल हसन निवासीगण ग्राम बहादुरपुर तप्पा पिलाई परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–10–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com